

2008 with 100 per cent CST compensation being payable to the States till the time GST is introduced. But, till now, the compensation for the year 2010-11 to the State of Gujarat is not paid by the Centre which is a huge amount.

I, therefore, request the Centre through this House, that the Centre should immediately release the compensation amount to the State of Gujarat so that the State Government can use this money for the overall development of the State.

Demand to Restore the Quota of Kerosene Oil for the State of Uttarakhand

श्री महेन्द्र सिंह माहरा (उत्तराखंड) : महोदय, उत्तराखंड राज्य के लिए निर्धारित केरोसिन ऑयल के कोटे में भारी कटौती की गई है जिससे आने वाले समय में इसकी कमी से सामान्य जीवन में काफी असर पड़ने वाला है। पहले उत्तराखंड राज्य के लिए 26712 केलएस केरोसिन ऑयल का तिमाही कोटा दिया जाता था जिसे अब धीरे-धीरे कम कर के 9108 केलएस कर दिया गया है जोकि पूर्व में निर्धारित कोटे का केवल 34 परसेंट ही रह गया है। आप भली-भांति जानते हैं कि उत्तराखंड राज्य के ऊंचाई वाले भागों में ठंड बहुत पड़ती है और वहां पर रोशनी व खाना बनाने के लिए एक मात्र साधन केरोसिन ऑयल है, जोकि आसानी से उपलब्ध हो जाता था, जो अब नहीं हो पाएगा। महोदय, मैं आपके माध्यम से यह भी बताना उचित समझता हूं कि हर साल चार धाम यात्रा में लाखों-करोड़ों लोग तीर्थ यात्रा पर आते हैं जिन्हें रास्ते में खाना बनाने व खाना गर्म करने की आवश्यकता पड़ती है। उन्हें भी अब केरोसिन ऑयल नहीं मिल सकेगा। उत्तराखंड राज्य में गरीब लोगों का केवल यही एक मात्र साधन है जिसे वे उजाला व खाना बनाने में उपयोग करते हैं। महोदय, यहां यह भी उल्लेख करना आवश्यक है कि केरोसिन ऑयल का कोटा कम किए जाने से वहां के लोग अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए वनों का दोहन करेंगे जिससे पर्यावरण पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। वहां की विभिन्न ऑयल कंपनियां भी मांग के अनुरूप गैस आपूर्ति नहीं कर पा रही हैं।

अतः मेरा इस सदन के माध्यम से पेट्रोलियम मंत्री जी से अनुरोध है कि उत्तराखंड राज्य के लिए हर तिमाही 30000 केलएस का कोटा निर्धारित किया जाए। यदि यह सम्भव नहीं है तो पूर्व में निर्धारित कोटा 26712 केलएस को बहाल किया जाए, ताकि वहां की केरोसिन की कमी की स्थिति को संभाला जा सके।

Demand to Prepare a Comprehensive Document on the Cultural Policy of the Country

DR. JANARDHAN WAGHMARE (Maharashtra) : Sir, Indian Culture is the oldest one in the world. Excepting the Chinese culture, all other ancient cultures in the world have gone into oblivion. Indian Culture still survives and thrives with new vigour and vitality. Indian love and literature is indeed a great treasure house. Our epics, poetry, music, dance and drama and sculpture in their myriad hues and colours are indeed things of beauty. The diversity of Indian life is the manifestation of the spiritual unity of India.

Ours is indeed a multi-dimensional composite culture. it is assimilative and accommodative too. At certain points of time, it had become rather rigid and exclusive. Caste and religion were used as instruments for rejection and exclusion of certain